

अनुबंध

अनुबंध-1(पैरा 3.2)

2012-13 से 2015-16 के दौरान स्वीकृत मामलों में मानदंडों में विचलन के विवरण

क्र.सं.	विचलन की श्रेणी	विचलन की प्रकृति	मामले जहां विचलन पाया गया
1.	वित्तीय अनुपात (लाभप्रदता अनुपात, तरलता अनुपात, लीवरेज अनुपात, कवरेज अनुपात) से संबंधित मानदंड से विचलन	1.1. लाभप्रदता अनुपात (जीपी, सकल लाभ, निवल लाभ, ऑपरेटिंग अनुपात)	1. कंट्री कॉलनाइजर्स लिमिटेड 2. फोरम प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड
		1.2 तरलता अनुपात (चालू अनुपात),	3. आधुनिक मेटालिक्स लिमिटेड 4. आलोक इंडस्ट्रीज लिमिटेड 5. एमटेक ऑटो लिमिटेड 6. भूषण स्टील लिमिटेड 7. बिनानी सीमेंट्स लिमिटेड 8. कंट्री कॉलनाइजर्स लिमिटेड 9. इग्जैक्ट डेवलपर्स एंड प्रमोटर्स प्राइवेट लिमिटेड 10. जेन्यूइन एसेट ऑपरेटर्स प्राइवेट लिमिटेड 11. जैन इरिगेशन सिस्टम्स लिमिटेड 12. जिंदल रेल इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड 13. जेपी इस्कॉन लिमिटेड 14. जुबिलेंट लाइफसाइंसेस लिमिटेड 15. एमईपी इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपर्स लिमिटेड 16. पलावा डेवलर्स प्राइवेट लिमिटेड 17. पुंज लॉयड लिमिटेड 18. रेनबो पेपर्स लिमिटेड 19. रेड्डी स्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड 20. आरएसबी ट्रांसमिशन (आई) लिमिटेड 21. श्री रयालसीमा अल्कलीज एंड अलायड केमिकल्स लिमिटेड 22. द इंडिया सीमेंट्स लिमिटेड (15-16) 23. तिलकनगर इंडस्ट्रीज लिमिटेड 24. उत्तम गाल्वा मेटालिक्स लिमिटेड 25. विश्वराज इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड
		1.3 उच्च लीवरेज अनुपात (ऋण इक्विटी अनुपात, कुल बाहरी देयता टीओएल/मूर्त निवल मूल्य (टीएनडब्ल्यू))	26. आलोक इंडस्ट्रीज लिमिटेड 27. भूषण स्टील लिमिटेड 28. बिनानी सीमेंट्स लिमिटेड 29. एवरग्रीडिंग आयरन एंड फिनवेस्ट लिमिटेड 30. इग्जैक्ट डेवलपर्स और प्रमोटर प्राइवेट लिमिटेड

			<p>31. फ्यूचर ब्रांड्स लिमिटेड (डीईआर) 32. फ्यूचर ब्रांड लिमिटेड (टीओएल/टीएनडब्ल्यू) 33. जेन्यूइन ऐसेट ऑपरेटरस प्राइवेट लिमिटेड 34. जय प्रकाश एसोसिएट्स 35. जेपी इस्कॉन लिमिटेड 36. केएसके एनर्जी वेंचर्स लिमिटेड 37. लिज़ इन्वेस्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड (14-15) 38. लिज़ इन्वेस्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड (15-16) 39. एमईपी इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपर्स लिमिटेड 40. ओमकार रील्टर्स एंड डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड 41. परिनी रियलिटी प्राइवेट लिमिटेड (डीईआर) 42. परिनी रियलिटी प्राइवेट लिमिटेड (टीओएल/टीएनडब्ल्यू) 43. पुराणिक बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड 44. रहेजा डेवलपर्स लिमिटेड 45. श्री नमन हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड 46. वालचंदनगर इंडस्ट्रीज लिमिटेड</p>
		<p>1.4 कवरेज अनुपात (ऋण सेवा कवरेज अनुपात (डीएससीआर), अचल संपत्ति कवरेज अनुपात (एफएसीआर))</p>	<p>47. आधुनिक मेटालिक्स लिमिटेड 48. आलोक इंडस्ट्रीज लिमिटेड 49. एमटेक ऑटो लिमिटेड 50. भूषण स्टील लिमिटेड 51. बिनानी सीमेंट्स लिमिटेड 52. एवरग्रोइंग आयरन एंड फिनवेस्ट लिमिटेड 53. जेन्यूइन ऐसेट ऑपरेटरस प्राइवेट लिमिटेड (एफएसीआर) 54. जेन्यूइन ऐसेट ऑपरेटरस प्राइवेट लिमिटेड (डीएससीआर) 55. ग्रैन इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड 56. जय प्रकाश एसोसिएट्स (डीएससीआर) 57. जय प्रकाश एसोसिएट्स (एफएसीआर) 58. जुबिलेंट लाइफसाइंसेज लिमिटेड (डीएससीआर) 59. जुबिलेंट लाइफसाइंसेज लिमिटेड (एफएसीआर) 60. मंगलम बिल्ड-डेवलपर्स लिमिटेड 61. मॉनेट इस्पात एंड एनर्जी लिमिटेड (डीएससीआर) 62. मोनेट इस्पात एंड एनर्जी लिमिटेड (एफएसीआर)</p>

			63. आरईआई एगो लिमिटेड 64. सिम्हापुरी एनर्जी लिमिटेड 65. द इंडिया सीमेंट्स लिमिटेड 15-16 66. उत्तम गाल्वा मेटालिक्स लिमिटेड 67. वालचंदनगर इंडस्ट्रीज लिमिटेड
2.	क्रेडिट रेटिंग, न्यूनतम निवल संपत्ति और पूर्व वर्ष की लाभप्रदता से संबंधित मानदंड से विचलन	2.1 कम/कोई क्रेडिट रेटिंग नहीं	1. आधुनिक मेटालिक्स लिमिटेड 2. कंट्री कॉलोनाइजर्स लिमिटेड 3. इग्जैक्ट डेवलपर्स एण्ड प्रमोटरस प्राइवेट लिमिटेड 4. फोरम प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड 5. ग्रैन इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड 6. जिंदल रेल इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड 7. लिचिका प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड 8. रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड 9. आलोक इंडस्ट्रीज लिमिटेड 10. एमटेक ऑटो लिमिटेड 11. कोस्टल एनर्जीन प्राइवेट लिमिटेड 12. एवरग्रोइंग आयरन एंड फिनवेस्ट लिमिटेड 13. लकजोरा इन्फ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड 14. परिनी रियलिटी प्राइवेट लिमिटेड 15. रेनबो पेपर्स लिमिटेड
		2.2 उधारकर्ता की न्यूनतम निवल संपत्ति	16. एवरग्रोइंग आयरन एंड फिनवेस्ट लिमिटेड 17. इग्जैक्ट डेवलपर्स और प्रमोटरस प्राइवेट लिमिटेड 18. जेन्यूइन ऐसेट ऑपरेटर्स प्राइवेट लिमिटेड 19. ग्रैन इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड 20. लिचिका प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड
		2.3 पिछले तीन वर्षों में उधारकर्ता की लाभप्रदता	21. आधुनिक मेटालिक्स लिमिटेड 22. बिनानी सीमेंट्स लिमिटेड 23. इग्जैक्ट डेवलपर्स एण्ड प्रमोटरस प्राइवेट लिमिटेड 24. जेन्यूइन ऐसेट ऑपरेटर्स प्राइवेट लिमिटेड 25. ग्रैन इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड 26. जिंदल रेल इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड 27. जुबिलेंट लाइफसाइंसेस लिमिटेड 28. लिचिका प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड 29. लकजोरा इन्फ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड,

			30. विश्वराज इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड 31. वालचंदनगर इंडस्ट्रीज लिमिटेड
3.	न्यूनतम प्रतिभूति राशि, प्रतिभूति की प्रकृति और उसके मूल्यांकन में छूट.	3.1 न्यूनतम प्रतिभूति राशि	1. आलोक इंडस्ट्रीज लिमिटेड 2. अंसल हाउसिंग एंड कंस्ट्रक्शन लिमिटेड 3. ईएमसी लिमिटेड 4. एवरग्रोइंग आयरन एंड फिनवेस्ट लिमिटेड 5. इग्जैक्ट डेवलपर्स एण्ड प्रमोटरस प्राइवेट लिमिटेड 6. गेरा डेवलपमेंट प्राइवेट लिमिटेड 7. ग्रैन इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड 8. जिंदल रेल इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड 9. जुबिलेंट लाइफसाइंसेस लिमिटेड 10. लिचिका प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड 11. मंडावा होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड 12. मंगलम बिल्ड-डेवलपर्स लिमिटेड 13. मोनेट इस्पात एंड एनर्जी लिमिटेड 14. पलावा डेवलर्स प्राइवेट लिमिटेड 15. पुंज लॉयड लिमिटेड 16. रेनबो पेपर्स लिमिटेड 17. रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड 18. रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (14-15) 19. रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (15-16) 20. आरएसबी ट्रांसमिशन (आई) लिमिटेड 21. सोभा डेवलपर्स लिमिटेड 22. द इंडिया सीमेंट्स लिमिटेड 14-15 23. द इंडिया सीमेंट्स लिमिटेड 15-16 24. विश्वराज इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड 25. वालचंदनगर इंडस्ट्रीज लिमिटेड.
		3.2 प्रतिभूति (परिसंपत्तियां) का अधिक मूल्यांकन	26. ग्रैन इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड 27. जिंदल रेल इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड 28. मंगलम बिल्ड-डेवलपर्स लिमिटेड 29. पुराणिक बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड 30. आरएसबी ट्रांसमिशन (आई) लिमिटेड 31. सिम्हापुरी एनर्जी लिमिटेड 32. वालचंदनगर इंडस्ट्रीज लिमिटेड
		3.3 प्रतिभूति की प्रकृति/अप्रवर्तनीय	33. डीए टोल लिमिटेड 34. केएसके एनर्जी वेंचर्स लिमिटेड

		प्रतिभूति (कृषि भूमि, सेज, बीओटी आदि)	35. मंडावा होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड 36. एमईपी इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपर्स लिमिटेड 37. रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड 38. विश्वराज इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड
4.	स्वीकृत शर्तों (शेयरों के प्रति उधार, अग्रिम राशि प्राप्त न होना आदि) के अनुसार अन्य अनुबद्ध शर्तों से विचलन	4.1 शेयर के प्रति उधार ₹ 25 करोड़ से अधिक नहीं होना चाहिये	1. एवरग्रोइंग आयरन एंड फिनवेस्ट लिमिटेड 2. लिज़ इन्वेस्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड (14-15) 3. लिज़ इन्वेस्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड (15-16)
		4.2 अग्रिम राशि/कानूनी शुल्क और अन्य प्रभारों, परिनिर्धारित हर्जाने की गैर- प्राप्ति.	4. एवरग्रोइंग आयरन एंड फिनवेस्ट लिमिटेड 5. फ्यूचर ब्रांड्स लिमिटेड 6. पुराणिक बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड 7. रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (14-15) 8. रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (15-16) 9. ट्राईमैक्स आईटी इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड 10. वालचंदनगर इंडस्ट्रीज लिमिटेड
		4.3 ऋण अवधि में वृद्धि	11. एमटेक ऑटो लिमिटेड 12. डीएलएफ लिमिटेड 13. ईएमसी लिमिटेड 14. जेपी इन्फ्राटेक लिमिटेड 15. जिंदल रेल इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड 16. सिम्हापुरी एनर्जी लिमिटेड
		4.4 प्रमोटरों का सीमा से अधिक शेयर प्रतिभूत	17. केएसके एनर्जी वेंचर्स लिमिटेड
5.	जानबूझकर चूक करने वालों को स्वीकृति	5.1 जानबूझकर चूक करने वालों की सूची में प्रमोटर	1. मंत्री डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड
		5.2 जानबूझकर चूक करने वालों की सूची में निदेशक	2. जुबिलेंट लाइफ साइंसेस लिमिटेड ¹ 3. स्यू ग्रीन एनर्जी लिमिटेड

मुख्य मामलों की स्वीकृति में मानदंडों से विचलन की सूची अनुबंध-1 ए में दी गई है।

¹ लोन का पूर्व भुगतान किया गया था (अक्टूबर 2015/अक्टूबर 2016)

अनुबंध-1ए (पैरा 3.2)

सामान्य उधार नीति में अनुबद्ध शर्तों से विचलन की निदर्शी सूची

ए वित्तीय अनुपातों से संबंधित मानदंड में विचलन

क्र.सं.	नाम और स्वीकृति का वर्ष	वित्तीय अनुपात	अनुबद्ध शर्तें	अनुबद्ध शर्तों से विचलन
1.	फ्यूचर ब्रांड्स लिमिटेड (2015-16)	टीओएल/टीएनडब्ल्यू (लीवरेज अनुपात)	4:1	(-3.21) ऋणात्मक निवल मूल्य
2.	परिनी रियल्टी प्राइवेट लिमिटेड (2015-16)	टीओएल/टीएनडब्ल्यू (लीवरेज अनुपात)	4:1	27.46:1
3.	वालचंदनगर इंडस्ट्रीज लिमिटेड (2015-16)	टीओएल/टीएनडब्ल्यू (लीवरेज अनुपात)	3.5	5.11
4.	रहेजा डेवलपर्स लिमिटेड (2015- 16)	टीओएल/टीएनडब्ल्यू (लीवरेज अनुपात)	4:1	4.33:1
5.	मंगलम बिल्ड-डेवलपर्स लिमिटेड (2014-15)	न्यूनतम डीएससीआर (लीवरेज)	1.5	0.74
6.	एमटेक ऑटो लिमिटेड (2015-16)	न्यूनतम डीएससीआर (लीवरेज)	1	0.74
7.	जेन्यूइन ऐसेट ऑपरेटर्स प्राइवेट लिमिटेड (2014-15)	सीआर (तरलता)	1.2	शून्य
8.	इग्जैक्ट डेवलपर्स एण्ड प्रमोटरस प्राइवेट लिमिटेड (2015-16)	सीआर (तरलता)	1.2	0.04
9.	कंट्रीकॉलनाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड (2012-13)	चालू अनुपात (तरलता अनुपात)	1.33	0.26
10.	श्री रायलसीमा अल्कालीज (2015-16)	सीआर (तरलता)	1	0.59
11.	द इंडिया सीमेंट्स लिमिटेड (2015-16)	सीआर (तरलता)	1.33	0.69
12.	एमटेक ऑटो लिमिटेड (2015-16)	सीआर (तरलता)	1.33	0.80
13.	आधुनिक मेटालिक्स लिमिटेड (2013-14)	सीआर (तरलता)	1.33	0.84
14.	उत्तम गाल्वा मेटालिक्स लिमिटेड (2014-15)	सीआर (तरलता)	1.3	0.94
15.	परिनी रियल्टी प्राइवेट लिमिटेड	डीईआर	1.6:1	19.71:1

क्र.सं.	नाम और स्वीकृति का वर्ष	वित्तीय अनुपात	अनुबद्ध शर्तें	अनुबद्ध शर्तों से विचलन
	(2015-16)	(लीवरेज अनुपात)	(एकल) 3.5:1 (समेकित)	3.66:1
16.	लिज़ इन्वेस्टमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड सीएल-III (2015-16)	डीईआर (लीवरेज अनुपात)	2:1	14.13:1
17.	लिज़ इन्वेस्टमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड सीएल-II (2014-15)	डीईआर (लीवरेज अनुपात)	2:1	8.09:1
18.	एमईपी इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपर्स लिमिटेड (2015-16)	डीईआर (समेकित)	3.5:1	ऋणात्मक निवल मूल्य
19.	ओमकार रील्टर्स एंड डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड (2013-14)	डीईआर (लीवरेज)	1.5	4.2
20.	पुराणिक बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड (2015-16)	डीईआर (लीवरेज अनुपात)	1.6	2.15
21.	केएसके एनर्जी वेंचर्स लिमिटेड (2015-16)	डीईआर (लीवरेज अनुपात)	3:1	4.44:1
22.	एवरग्राइंग आयरन एंड फिनवेस्ट लिमिटेड (2013-14)	डीईआर (लीवरेज अनुपात)	1.5:1	2:1
23.	फ्यूचर ब्रांड्स लिमिटेड (2015-16)	डीईआर (लीवरेज)	1:1	1.4:1

बी पूर्व वर्ष में लाभ, क्रेडिट रेटिंग, और निवल संपत्ति से संबंधित मानदंड से विचलन

क्र.सं.	नाम और स्वीकृति का वर्ष	वित्तीय मानदंड	अनुबद्ध शर्तें	अनुबद्ध शर्तों से विचलन	टिप्पणियां
1.	परिनी रियल्टी प्राइवेट लिमिटेड (2015-16)	क्रेडिट रेटिंग	न्यूनतम बीबीबी-	कोई क्रेडिट रेटिंग नहीं	स्वीकृति के बाद उसे प्रस्तुत करने के लिये समय दिया गया
2.	लकज़ोरा इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड (2014)	क्रेडिट रेटिंग	बीबीबी-	कोई बाहरी रेटिंग नहीं	आईएफसीआई रेटिंग 7 थी जो निवेश ग्रेड से कम थी।
3.	एमटेक ऑटो लिमिटेड (2015-16)	क्रेडिट रेटिंग	बीबीबी-	कोई बाहरी रेटिंग नहीं	
4.	इग्जैक्ट डेवलपर्स एण्ड प्रमोटरस प्राइवेट लिमिटेड (2015-16)	क्रेडिट रेटिंग	बीबीबी-	कोई बाहरी रेटिंग नहीं	

क्र.सं.	नाम और स्वीकृति का वर्ष	वित्तीय मानदंड	अनुबद्ध शर्तें	अनुबद्ध शर्तों से विचलन	टिप्पणियां
5.	निर्मल लाइफस्टाइल (2013-14)	क्रेडिट रेटिंग	बीबीबी	स्वीकृति से पूर्व रेटिंग नहीं की गई (सितम्बर 2012)	
6.	जिंदल रेल इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (2015-16)	क्रेडिट रेटिंग	बीबीबी+ सेबीबीबी - समाप्त होने से 3 माह के अंदर पुनः रेटिंग करना	बीबीबी- 11अगस्त 15 को रेटिंग समाप्त हो गई थी, नवीनीकरण को अभिलेखों में नहीं पाया गया।	
7.	हाइड्रिक फार्म इंपुट्स लिमिटेड (2015-16)	क्रेडिट रेटिंग	बीबीबी-	बीबी	
8.	जेन्यूइन ऐसेट ऑपरेटर प्राइवेट लिमिटेड (2014-15)	उधारकर्ता की न्यूनतम निवल संपत्ति	50 करोड़	1 लाख	उधारकर्ता की कम क्रेडिट पात्रता 99.9%निवल संपत्ति की कमी
9.	लिचिका प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड (2015-16)	न्यूनतम निवल संपत्ति	₹ 50 करोड़	₹ 0.11 करोड़	
10.	इग्जैक्ट डेवलपर्स एण्ड प्रमोटरस प्राइवेट लिमिटेड (2015-16)	निवल संपत्ति	100	69.05	31% निवल संपत्ति की कमी
11.	एवरग्रीडिंग आयरन एंड फिनवेस्ट लिमिटेड (2013-14)	न्यूनतम निवल संपत्ति	₹ 100 करोड़	₹ 79 करोड़	21% निवल संपत्ति की कमी
12.	जेन्यूइन ऐसेट ऑपरेटरस प्राइवेट लिमिटेड (2014-15)	लाभप्रदता	3 वर्षों में से 2	नवगठित कंपनी, कोई लाभ नहीं	
13.	जिंदल रेल इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (2015-16)	लाभप्रदता	पिछले 3 वर्षों में से 2 में लाभदायक	पिछले 3 वर्षों में हानि हुई	अपात्र उधारकर्ता
14.	लकज़ोरा इन्फ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड (2014-15)	लाभप्रदता	3 वर्षों में से 2 में लाभदायक	सभी 3 वर्षों में हानि	
15.	वालचंदनगर इंडस्ट्रीज लिमिटेड (2015-16)	लाभप्रदता	3 वर्षों में से 2 में लाभदायक	पिछले 2 वर्षों में हानि	अपात्र उधारकर्ता
16.	इग्जैक्ट डेवलपर्स और प्रमोटर प्राइवेट लिमिटेड (2015-16)	लाभप्रदता	3 वर्षों में से 2 में लाभदायक	पिछले 2 वर्षों में हानि	

क्र.सं.	नाम और स्वीकृति का वर्ष	वित्तीय मानदंड	अनुबद्ध शर्तें	अनुबद्ध शर्तों से विचलन	टिप्पणियां
17.	लिचिका प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड (2015-16)	लाभप्रदता	पिछले 3 वर्षों में से 2 में लाभदायक	पिछले 2 वर्षों में हानि	
18.	कंट्रीकॉलनाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड (2012-13)	लाभप्रदता	स्वीकृति से पूर्व पिछले 3 वर्षों में लाभदायक होना।	पालन नहीं किया गया	

सी सुरक्षा महत्व से संबंधित मानदंड में विचलन

क्र.सं.	नाम और स्वीकृति का वर्ष	अनुबद्ध प्रतिभूति शर्तें	अनुबद्ध शर्तों से विचलन	टिप्पणियां
1.	रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड (2013-14)	न्यूनतम प्रतिभूति राशि	1.26 (मूर्त)	0.79 (मूर्त)
2.	द इंडिया सीमेंट्स लिमिटेड (2014-15)	न्यूनतम प्रतिभूति राशि	2 गुना	1.25 गुना
3.	सोभा डेवलपर्स लिमिटेड (2013-14)	न्यूनतम प्रतिभूति राशि	2 गुना (मूर्त)	1.25 गुना मूर्त
4.	ईएमसी लिमिटेड (2014-15)	न्यूनतम प्रतिभूति राशि	2 गुना	1.5 गुना
5.	जिंदल रेल इन्फ्रा लिमिटेड (2015-16)	न्यूनतम प्रतिभूति राशि अचल परिसंपत्ति पर पहले प्रभार का 2 गुना होनी चाहिये	1.25	निर्धारित से कम प्रतिभूति ली गई
6.	एमईपी इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपर्स लिमिटेड (2015-16)	प्रतिभूति प्रवर्तनीयता	प्रतिभूति बीओटी परियोजना के लिये पट्टे पर ली गई भूमि के समरूप प्रभार थी	बीओटी की प्रवर्तन क्षमता संदेहजनक थी
7.	केएसके एनर्जी वेंचर्स लिमिटेड (2015-16)	प्रतिभूति प्रवर्तनीयता की प्रकृति	सशर्त के आधार पर कृषि भूमि की स्वीकृति	इसलिये प्रवर्तनीयता मुश्किल है।
8.	डीए टोल रोड प्राइवेट लिमिटेड (2014-15)	परियोजना परिसंपत्ति पर प्रभार	परियोजना नकद प्रवाह पर प्रभार	विचलन में अप्रवर्तनीय प्रतिभूति शामिल थी।

9.	जिंदल रेल इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (2015-16)	परिसंपत्तियों के बही-मूल्य के अनुसार मूल्यांकन	भूमि के पुराने बिक्री मूल्य पर आधारित मूल्यांकन	विचलन के कारण प्रतिभूति राशि का अधिक मूल्यांकन हुआ
10.	आरएसबी ट्रांसमिशन (आई) लिमिटेड (2015-16)	बही-मूल्य के अनुसार मूल्यांकन	मूल्यांकन आपात बिक्री मूल्य पर किया गया था।	फलस्वरूप प्रतिभूति राशि का अधिक मूल्यांकन हुआ

डी अन्य अनुबद्ध शर्तों से संबंधित मानदंड से विचलन

क्र.सं.	नाम और स्वीकृति का वर्ष	मानदंड	अनुबद्ध शर्तें	अनुबद्ध शर्तों से विचलन	टिप्पणियां
1.	लिज़ इन्वेस्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड सीएल-III (2015-16)	शेयर की प्रतिभूति राशि के प्रति उधार	₹ 25 करोड़ का अधिकतम लोन	₹ 70 करोड़ स्वीकृत लोन	नियमों का उल्लंघन करते हुये ₹ 45 करोड़ के अधिक ऋण की स्वीकृति
2.	लिज़ इन्वेस्टमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड सीएल-II (2014-15)	शेयर की प्रतिभूति राशि के प्रति उधार	₹ 25 करोड़ का अधिकतम लोन	₹ 50 करोड़	₹ 25 करोड़ का अतिरिक्त स्वीकृत ऋण
3.	गोयल एमजी गैसेस प्राइवेट लिमिटेड (2015-16)	पूर्व भुगतान प्रीमियम	2% (कभी भी)	विलम्ब के बाद 0.50%	उधारकर्ता को 1.5% का अनुचित लाभ दिया गया
4.	पुराणिक बिल्डर्स (2015-16)	पूर्व भुगतान प्रीमियम	हर समय 2%	स्वीकृति के 1 वर्ष बाद 0% किया	उधारकर्ता को अनुचित लाभ
5.	द इंडिया सीमेंट्स लिमिटेड (2015-16)	पूर्व भुगतान प्रीमियम	2%	1%	1% कम किया
6.	जिंदल रेल इन्फ्रा (2015-16) 2 लोन	ऋण अवधि	6 वर्ष	10 वर्ष	अवधि में चार वर्ष बढ़ाने से अधिक जोखिम का पूर्वानुमान
7.	एम्टेक ऑटो लिमिटेड (2015-16)	ऋण अवधि	6 वर्ष	10 वर्ष	अवधि में चार वर्ष बढ़ाने से अधिक जोखिम का पूर्वानुमान

8.	जेपी इंफ्राटेक लिमिटेड (2014-15)	ऋण अवधि	2 वर्ष के अधिस्थगन अवधि सहित अधिकतम 6 वर्ष (स्वीकृति नोट में प्रतिमानक 6 की बजाय 8 के रूप में दर्शाये गये)	3 वर्ष के विलम्ब सहित 10 वर्ष	
----	-------------------------------------	---------	---	-------------------------------------	--

अनुबंध-2 (पैरा 6.3.2)

सामान्य आपत्तियों वाले 10 एनपीए मामले

क्रम सं.	उधारकर्ता का नाम	संस्वीकृति की तिथि एवं राशि (₹करोड़ में)	31मार्च 2016 तक कुल देय (मूलधन एवं ब्याज) (₹करोड़ में)	लेखा-परीक्षा आपत्तियां	प्रबंधन का उत्तर तथा खण्डन
1	आईवीआरसीएल इन्दौर गुजरात टॉल लिमिटेड तथा आईवीआरसीएल चेंगापल्ली टॉल लिमिटेड	सितम्बर 2010 (₹250 करोड़*) *आईआईजीटी एल तथा आईसीटीएल दोनों को सीसीडीज के रूप में ₹125 करोड़	₹249.99 करोड़ (मूलधन)	<ul style="list-style-type: none"> •सुविधा को पात्रता मानदण्ड के उल्लंघन में संस्वीकृत किया गया था चूंकि प्रवर्तक कम्पनी ने 2010 में (संस्वीकृति से पूर्व वर्ष) हानि वहन की थी। •प्रवर्तक कम्पनी का 2015 तक, जब सीसीडीज वापसी-खरीद हेतु देय थे, तीन वर्षों के लिए नकारात्मक निवल नकद प्रवाह (प्रक्षेपित वित्त) था। •निवेश को सीआरएमडी द्वारा उच्च राजस्व जोखिम के रूप में वर्गीकृत किए जाने के बावजूद संस्वीकृत किया गया। •चूक होने (जनवरी से सितम्बर 2014) के बावजूद तथा प्रवर्तक कम्पनी के सीडीआर संदर्भित होने पर ₹7000 करोड़ के ऋण के 	<p>प्रबंधन ने उत्तर दिया कि वापसी-खरीद करार ने आईएफसीआई को संरक्षित किया। इसके अलावा, सीसीडीज को खरीदने की ऋणी के नकद प्रवाह से परिकल्पना नहीं की गई। नकदी के लघु-कालीन खिंचाव के संदर्भ में ऋणियों के अनुरोध पर संवितरण किए गए।</p> <p>उत्तर न्यायोचित नहीं है क्योंकि कॉल अथवा पुट विकल्प केवल वापसी-खरीद हेतु थे तथा प्रवर्तक की क्षमता भी स्थापित नहीं हुई थी क्योंकि पात्रता शर्त का उल्लंघन हुआ था।</p> <p>इसके परिणामस्वरूप मार्च 2016 तक</p>

				पुनर्गठन होने पर बावजूद (जनवरी 2014) आईसीटीएल को ₹23.37 करोड़ का अनुचित संवितरण हुआ था।	₹249.99 करोड़ की वसूली संदेहास्पद हुई तथा पुनर्गठन पर ₹27.17 करोड़ की हानि हुई।
2	एसवीओजीएल ऑयल एंड गैस एनर्जी लिमिटेड	मई 2010 (₹135 करोड़)	₹185.42 करोड़ (₹114.77 + 70.65)	<ul style="list-style-type: none"> • ऋण एक उच्च ऋणग्रस्त उधारकर्ता को संस्वीकृत किया गया जिसकी 31 मार्च 2010 को ₹1687 करोड़ की दीर्घावधि देनदारियाँ थी। इसे सीआरएमडी द्वारा भी बताया गया। • ऋण को अधिक डीई अनुपात, कम एफएसीआर के साथ पात्रता मानदण्ड के विचलन में संस्वीकृत किया गया। <p>₹185.42 करोड़ के बकायों की वसूली की संभावना इसके ₹37 करोड़ (मार्च 2015) के निवल संपत्ति तथा मार्च 2014 से नकारात्मक नकद प्रोदभवन के मद्देनजर विशेषतया किसी एक्सक्लूसिव प्रतिभूति के अभाव में काफी क्षीण है।</p>	<p>प्रबंधन ने उत्तर दिया (नवम्बर 2016) कि डीईआर, जो 1.77:1 था, में आगे सुधार की संभावना थी।</p> <p>उत्तर मान्य नहीं है क्योंकि उधारकर्ता का डीईआर ऋण की संस्वीकृति के पश्चात बेहद खराब हुआ (2010 में 1.77 से 2014 में 5.79 तथा 2015 में 82.97 तक)।</p>
3	रेनबो पेपर्स लिमिटेड	नवम्बर 2013 (₹100 करोड़)	₹110.08 करोड़ (₹ 100 करोड़ + ₹ 10.08 करोड़)	<ul style="list-style-type: none"> • संस्वीकृति से पूर्व एक नकारात्मक दृष्टिकोण के साथ उधारकर्ता की रेटिंग सीआरआईएसआईएल बीबीबी- होने (जुलाई 2013) के बावजूद ऋण संस्वीकृत किया गया। • ऋण को जीएलपी के अनुसार दो गुना 	<p>प्रबंधन ने स्वीकार किया कि उधारकर्ता स्वीकृति से पूर्व लघु कालीन तरलता क्रंच का सामना कर रहा था। संवितरित सुविधा को शेयरों के प्रति ऋण (एलएएस) के रूप में नहीं माना जा सकता चूंकि चल</p>

				<p>प्रतिभूति के मानदण्ड से विचलन में एक गुना कवर के साथ दिया गया चूंकि तब तक मूर्त प्रतिभूति सृजित नहीं हुई थी ।</p> <ul style="list-style-type: none"> • अपनी बकाया राशि की वसूली हेतु ₹64.30 लाख (दिसम्बर 2014) के गिरवी शेयरों की बिक्री तथा ब्याज में चूक (अगस्त 2014) के बावजूद ₹20 करोड़ का तीसरा संवितरण (मार्च 2015) जारी किया गया। • गिरवी शेयरों की बिक्री से वसूली अप्रभावी रही चूंकि बिक्री में प्रत्येक बार निरन्तर विलम्ब के साथ शेयर मूल्य में ₹80.35 से ₹54.10 (सितम्बर 2014, अगस्त 2015) तक कमी हुई जो कम्पनी के हित में नहीं था। 	<p>परिसम्पत्तियों पर अवशेष प्रभार था। अंतिम संवितरण के समय ₹20 करोड़ के ब्याज की चूक नहीं थी।</p> <p>उत्तर असमर्थनीय है क्योंकि स्वीकृति के समय उधारकर्ता की चिंतनीय वित्तीय स्थिति की नकारात्मक दृष्टिकोण के साथ निम्नतर क्रेडिट रेटिंग तथा निर्धारित वित्तीय जोखिमों के गैर- समाधान से पुष्टि होती है । इसके अलावा, जब संवितरण किया गया तो कम्पनी के पास अन्य मूर्त प्रतिभूति नहीं थी तथा इस प्रकार ऋण को एलएएस माना जाना चाहिए था। तीसरे संवितरण को ऋणकर्ता की पिछली चूकों के बावजूद रिलीज किया गया (अगस्त 2014) जिसे गिरवी शेयरों की बिक्री के माध्यम से वसूला गया (दिसम्बर 2014)।</p> <p>इस प्रकार दोषपूर्ण क्रेडिट मूल्यांकन के परिणामस्वरूप ₹110.08 करोड़ की वसूली संदेहास्पद थी ।</p>
4	आर्चिड केमिकल्स एंड	मार्च 2011 (₹150 करोड़)	₹117.68 करोड़	<p>ऋण को निम्नलिखित तथ्य के बावजूद संस्वीकृत किया गया कि:</p>	<p>प्रबंधन ने उत्तर दिया (नवम्बर 2016) कि परिचालन हानि कुछ असाधारण कारणों से</p>

	फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड		(₹91.99 करोड़+ ₹25.69 करोड़)	<ul style="list-style-type: none"> • उधारकर्ता ने 2009-10 में ₹565 करोड़ की परिचालन हानि वहन की थी तथा अन्य आय के कारण ही लाभ कमाया था। • ब्याज भार ₹81 करोड़ (2008) से बढ़ कर ₹241 करोड़ (2010) हो गया तथा लाभ-प्रदता 2008 में 28 प्रतिशत से 2010 में बिक्री के 14 प्रतिशत (नकारात्मक) तक कम हो गई थी। 	<p>थी जिस पर संस्वीकृति नोट में विचार किया गया था।</p> <p>उत्तर मान्य नहीं है क्योंकि एनपीए के अग्रणी संकेत अर्थात वित्तीय स्वास्थ्य, ब्याज भार, लाभ-प्रदता आदि को नजरअंदाज किया गया।</p>
5	विविमेड लैब्स लिमिटेड	सितम्बर 2013 (₹100 करोड़)	₹75 करोड़ (मूलधन)	<ul style="list-style-type: none"> • आईएफसीआई स्वीकृति से पूर्व वीएलएल के दीर्घावधि दायित्वों में भारी वृद्धि², तनावपूर्ण लाभ-प्रदता मार्जिन³ के साथ बढ़े हुए ब्याज भार⁴ के प्रभाव का विश्लेषण करने में विफल रही थी। • आईएफसीआई ने अधिक पुनः भुगतान दायित्व के कारण तनावपूर्ण ऋण-सेवा क्षमता के पूर्व संकेतकों (जनवरी 2014) के बावजूद विलम्ब से, दिसम्बर 2015 में, बकायों की वसूली के लिए कानूनी कार्रवाई आरम्भ की तथा तथ्य यह है कि अंतिम प्रतिभूति सृजित नहीं की गई थी। 	<p>प्रबंधन ने उत्तर दिया (नवम्बर 2016) कि अतिदेय के भुगतान के बाद रिकॉल नोटिस के खण्डन के समय (जनवरी 2016) वीएलएल को पुनः भुगतान अनुसूची का पालन करने तथा समय पर बकायों का भुगतान करने हेतु निर्देश दिए गए। इसने आगे कहा कि वीएलएल अपनी एक इकाई की बिक्री प्रक्रिया से चूक का भुगतान करेगा।</p> <p>उत्तर मान्य नहीं है क्योंकि आईएफसीआई द्वारा रिकॉल नोटिस के खण्डन के बावजूद</p>

² 2011 में ₹131.90 करोड़ से 2013 में ₹431.02 करोड़ तक

³ ईबीआईटीडीए/पीएटी मार्जिन 21.05 प्रतिशत तथा 11.74 प्रतिशत (2010-11) से 17.83 प्रतिशत तथा 7.54 प्रतिशत (2012-13) तक गिर गए।

⁴ (2011 में ₹22.10 करोड़ से 2013 में ₹40.93 करोड़)

					वीएलएल पुनःभगतान अनुसूची का पालन करने में फिर से विफल रहा जिसके परिणामस्वरूप ₹9.64 करोड़ की चूक हुई (अक्तूबर 2016)।
6	नीसा लेजर लिमिटेड	फरवरी/ मार्च 2010 (₹30 करोड़/₹15 करोड़ लघु अवधि ऋण (एसटीएल) जुलाई 2010 (₹11 करोड़ दीर्घावधि ऋण (एलटीएल))	₹134.51 करोड़ (₹56 करोड़+ ₹78.51 करोड़)	<ul style="list-style-type: none"> •लेखा-परीखा ने पाया कि सामान्य उधार नीति के पात्रता मानदण्ड डीएससीआर, चालू अनुपात तथा उधारकर्ता की न्यूनतम निवल संपत्ति की आवश्यकता से संस्वीकृति के समय विचलन किया गया। •मियादी ऋणों हेतु तथा अगस्त 2010 में ₹26 करोड़ के मियादी ऋणों के अनिवार्यतः परिवर्तनीय अधिमान शेयर (सीसीपीएस) में परिवर्तन के लिए प्रतिभूतियों को भी पूर्ण रूप से सृजित नहीं किया गया था। •आईएफसीआई ने ऋण की प्रकृति उधार से इक्विटी में बदल कर मूर्त प्रतिभूति लिए बिना ऋण को अधिमान शेयरों (अगस्त 2010) में परिवर्तित कर लिया । •एनएलएल निधियों के विपथन के कारण सीडीआर की शर्तों का अनुपालन करने में विफल हुआ क्योंकि इसने कुछ ऋणदाताओं के आंशिक बकायों के पुनः भुगतान में धन का उपयोग किया तथा शेष राशि को कुछ 	<p>प्रबंधन ने ऋण राशि के विपथन को स्वीकार करते हुए कहा (जून/नवम्बर 2016) कि लघु अवधि ऋण होने के नाते डीएससीआर को संगणित नहीं किया गया। ऋण के सीसीपीएस में परिवर्तन को 20 प्रतिशत के आकर्षक प्रतिलाभ के कारण संस्वीकृत किया गया।</p> <p>उत्तर तर्कसंगत नहीं है क्योंकि आईएफसीआई उधारकर्ता के डीएससीआर का विश्लेषण करने में विफल हुआ क्योंकि बाद में वापसी-खरीद में चूक खराब पुनः भुगतान क्षमता के कारण थी।</p> <p>ऋणकर्ता की वि.व. 2010 में 20 प्रतिशत प्र.व. के प्रतिलाभ का भुगतान करने की पुनः भुगतान क्षमता का उचित प्रकार से विश्लेषण नहीं किया गया चूंकि पीएटी ₹26</p>

				होटल सम्पत्तियों को पुनः फर्नीश करने के लिए उपयोग किया।	करोड़ के कम सकल नकद अर्जन के साथ अत्यल्प ₹12 करोड़ था। आईएफसीआई ने पर्याप्त प्रवर्तनीय प्रतिभूति सृजन हुए बिना अनावश्यक जोखिम ⁵ लिया। इस प्रकार, ऋणों के रूप में ₹56.81 करोड़ तथा ₹77.70 करोड़ (सीसीपीएस) की वसूली के अवसर क्षीण थे।
7	जय बालाजी इंडस्ट्रीज लिमिटेड	फरवरी 2011 तथा अगस्त 2011 (₹100 करोड़ तथा ₹60 करोड़)	₹23.24 करोड़	<ul style="list-style-type: none"> सामान्य उधार नीति से विचलन थे क्योंकि 2 वर्षों के लिए 1.33 के न्यूनतम अनुबंधित के प्रति छः अनुपात क्रमशः 1.0 तथा 0.99 थी जबकि गिरवी शेयरों की वसूली हेतु औसत व्यापार दिवस अधिकतम अनुबद्ध 45 दिनों के प्रति 50 दिन थे। कम्पनी ने उधारकर्ता के लगभग ₹ 118.81 करोड़ की राशि के गिरवी शेयरों के विनिमय में केवल ₹50 करोड़ (अगस्त 2012) की बैंक गारंटी की प्रतिभूति स्वीकार की। 	<p>प्रबंधन ने उत्तर दिया (अगस्त 2016) कि ऋण को जेबीआईएल की 'बीबीबी' की क्रेडिट रेटिंग तथा इसके कुल विक्रय में वृद्धि तथा ग्रुप की प्रतिष्ठा के संदर्भ में संस्वीकृत किया गया। यह भी कहा कि जेबीएल के पास असूचीबद्ध शेयरों की पर्याप्त प्रतिभूति थी।</p> <p>उत्तर तर्कसंगत नहीं है क्योंकि विक्रय में वृद्धि के बावजूद, जेबीआईएल की वित्तीय स्थिति खराब थी क्योंकि इसका लाभ बहुत लचीला था तथा ऋण-ग्रस्तता भी काफी अधिक बढ़ी थी। इसके अतिरिक्त,</p>

⁵ लघु अवधि ऋणों के दीर्घावधि में तथा ऋण के इक्विटी में रूपान्तरण का जोखिम

					जेबीआईएल को 22 सितम्बर 2015 को बीआईएफआर में पंजीकृत किया गया। इस प्रकार, ₹ 23.24 करोड़ की वसूली संदेहास्पद है।
8	साहस्रा इन्वेस्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड	अक्टूबर 2010 (₹35 करोड़)	₹26.94 करोड़ (मूलधन बकाया ₹ 17.86 करोड़ तथा ₹ 9.08 करोड़ का न वसूला गया ब्याज	<ul style="list-style-type: none"> कम्पनी ने क्यूरा टेक्नोलॉजी लिमिटेड के इक्विटी शेयरों की सहायक प्रतिभूति को इस तथ्य का पता होने के बावजूद स्वीकार किया कि इसकी व्यापार मात्रा निवर्तमान सामान्य ऋण नीति द्वारा अनुबंधित 45 दिनों में शेयरों की वसूली के लिए आईएफसीआई हेतु पर्याप्त नहीं थी। इसके परिणामस्वरूप, कम्पनी कुल 24.9 लाख गिरवी शेयरों में से केवल 4.29 लाख शेयर ही बेच सकी (दिसम्बर 2015 तक)। ₹ 11.50 करोड़ के एकमुश्त निपटान का प्रस्ताव (जून 2015) भी विफल हुआ। 	<p>प्रबंधन ने उत्तर दिया कि सीटीएल के शेयरों की गिरवी को केवल समर्थक के रूप में लिया गया प्रमुख प्रतिभूति के रूप में नहीं तथा यह कम व्यापार मात्रा के कारण बिक्री नहीं कर सका।</p> <p>उत्तर लेखापरीक्षा की इस आपत्ति का समर्थन करता है कि इस प्रतिभूति की स्वीकृति कम्पनी के हित में नहीं थी तथा इसके परिणामस्वरूप ₹ 26.94⁶ करोड़ की वसूली संदेहास्पद हुई।</p>
9	इन्दू टेकजोन प्राइवेट लिमिटेड	सितम्बर 2008 (₹60 करोड़, आबंटित ₹9.90 करोड़)	₹12.15 करोड़ (₹7.67 करोड़ + ₹4.48 करोड़)	<ul style="list-style-type: none"> प्रतिभूति में कमी थी क्योंकि गिरवी रखी भूमि एक एसईजेड भूमि थी। इसे प्रीवेंशन आफ मनी लॉड्रिंग अधिनियम, 2002 (पीएमएल अधिनियम) के तहत प्रवर्तन निदेशालय द्वारा अटैच किया गया 	<p>प्रबंधन ने उत्तर दिया कि ऋण को भूमि की प्राथमिक प्रतिभूति तथा कॉर्पोरेट गारंटी के रूप में अतिरिक्त प्रतिभूति के प्रति संस्वीकृति किया गया था तथा आईपीएल के शेयरों की गिरवी को ऋण को और प्रतिभूत</p>

⁶ अन्य गिरवी समर्थक सम्पत्ति की बिक्री (अप्रैल 2016) से उगाही राशि, ₹26.94 करोड़ में से ₹1.72 करोड़ की वसूली हुई

				<p>था (फरवरी 2015) तथा आईटीपीएल को आबंटित भूमि के संदर्भ में सीबीआई ने क्विड प्रो को का मामला दर्ज किया था।</p> <ul style="list-style-type: none"> • कॉर्पोरेट गारंटर मई 2012 से सीडीआर में था। 	<p>करने हेतु लिया गया था। इसके अलावा एसईजेड भूमि के रूप में परिसम्पत्ति को औद्योगिक भूमि होने के नाते अभी भी प्रवर्तित किया जा सकता है परन्तु हस्तांतरितीकोइसेकेवल औद्योगिक प्रयोजनों हेतु उपयोग करना होगा ।</p> <p>उत्तर मान्य नहीं है क्योंकि प्राथमिक प्रतिभूति ईडी द्वारा अटेचमेंट के अन्तर्गत है तथा अतिरिक्त प्रतिभूति से वसूली के अवसर क्षीण हैं।</p> <p>इससे बचा जा सकता था यदि खराब प्रतिभूति के आधार पर ऋण को संस्वीकृति करते समय उचित सावधानी ली जाती ।</p>
10	सिडार इन्फोनेट प्राइवेट लिमिटेड	मई 2011 (₹ 100 करोड़, आवंटित ₹20 करोड़)	₹ 9.38 करोड़ (₹ 5.65 करोड़ + ₹ 3.73 करोड़)	<ul style="list-style-type: none"> • बढ़ते ऋण⁷ तथा ब्याज भार⁸ के कारण सीआईपीएल की असहज पुनः भुगतान क्षमता से परिचित होने के बावजूद, आईएफसीआई ने गिरवी सम्पत्ति की अतिरिक्त प्रतिभूति स्वीकार की (सितम्बर 	<p>प्रबंधन ने उत्तर दिया कि शेयरों की बिक्री रोक दी गयी थी क्योंकि सीआईपीएल प्रतिभूति कवर को गिरवी के माध्यम से संवर्धित करने के लिए सहमत था। इसके अलावा, प्रवर्तकों के साथ कम्पनी द्वारा</p>

⁷ ₹ 740 करोड़ (2009-10) से ₹ 1567 करोड़ (2011-12)

⁸ ₹ 72 करोड़ (2009-10) से ₹ 163 करोड़ (2011-12)

			<p>2012) जिसके वास्तविक दस्तावेज पहले ही 2009 में इसके कार्यालय में छापे के दौरान आयकर विभाग (आईटीडी) द्वारा ले लिए गए थे ।</p> <ul style="list-style-type: none"> • शेयरों को बेचने (14.9.2012 को अनुमोदित) की बजाय, आईएफसीआई ने सीआईपीएल के प्रतिभूति कवर के संवर्धन के आश्वासन पर विश्वास किया जिसके परिणामस्वरूप ₹ 65 प्रति शेयर (14 सितम्बर 2012) की तुलना में ₹ 35/शेयर की औसत से केवल ₹ 6.35 करोड़ की वसूली (12.10.2012) हो पायी । • एसएआरएफएईएसआई अधिनियम के माध्यम से गिरवी रखी गई सम्पत्ति की नीलामी भी दो बार (फरवरी तथा मार्च 2015) विफल रही। 	<p>अनुवर्ती कार्रवाई करने के बावजूद भी आईटीडी द्वारा जब्त वास्तविक दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराए जा सके ।</p> <p>कम्पनी का उत्तर स्वयं इस तथ्य का समर्थन करता है कि वास्तविक दस्तावेजों के बिना गिरवी रखी गई सम्पत्ति की स्वीकृति इसके वित्तीय हित की सुरक्षा के विरुद्ध थी क्योंकि इससे शेयरों की बिक्री में भी विलम्ब हुआ जिसके परिणामस्वरूप कम उगाही हुई जिससे ₹9.38 करोड़ की हानि हुई।</p>
--	--	--	---	--